अजित पवार की टिप्पणी से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हुआ

पुणे। बारामती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी ने एक रिपोर्ट दाखिल की है जिसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की 'वोट के बदले निधि' संबंधी टिप्पणी से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का प्रथमदृष्टया कोई सबूत नहीं है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने आदर्श आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भारत निर्वाचन आयोग में अजित पवार के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। बारामती निर्वाचन क्षेत्र के इंदापुर में एक चुनावी रैली में, अजित पवार ने हाल में कहा था, ''जहां तक निधि का सवाल है, आप जितना चाहेंगे, हम आपको उतना सहयोग करेंगे, लेकिन साथ ही इसके लिए मतदाताओं को बड़ी संख्या में पहुंचकर ईवीएम का बटन दबाना है। यदि ऐसा होगा तो मुझे भी निधि आवंटित करने में अच्छा लगेगा, नहीं तो खुद को रोकना होगा।' अजित पवार राज्य के वित्त मंत्री भी हैं। विपक्ष ने अजित पवार के इस बयान की आलोचना की थी।

अमेरिका सुरक्षित देश है, भारतीय छात्रों का रखता है ख्याल : गार्सेटी

भारतवंशी छात्रों की मौतों से जुड़ी खबरों के बीच अमेरिकी राजदूत ने की टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली। हालिया समय में अमेरिका में कुछ भारतीय छात्रों की मौत की घटनाओं के बीच अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका एक सुरक्षित देश है और यह भारतीय छात्रों का काफी ख्याल रखता है।

उन्होंने छात्रों के अभिभावकों को आश्वासन दिया कि 'उनके बच्चे जब अमेरिका में होते हैं (तो) वे हमारे बच्चे हैं।'' इस साल जनवरी से अमेरिका में भारतीय और भारतवंशी छात्रों की मौतों से जुड़ी खबरों के बीच गार्सेटी की यह टिप्पणी आई है। अमेरिका भारतीय छात्रों के बीच उच्च अध्ययन के लिए पसंदीदा स्थान बना हुआ है, लेकिन हालिया घटनाओं ने भारत-अमेरिकी समुदाय के साथ-साथ भारतीय आबादी के बीच भी चिंता बढ़ा दी है। 'अमेरिकन सेंटर' में

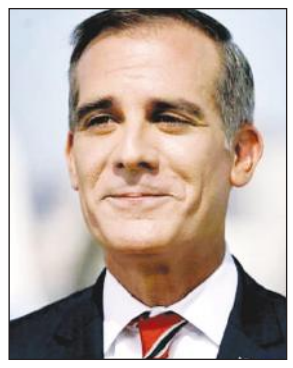

गार्सेटी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''हम अमेरिका में भारतीय छात्रों का काफी ख्याल रखते हैं। हम चाहते हैं कि अभिभावक यह जान लें कि जब उनके बच्चे अमेरिका में होते हैं तो वे हमारे बच्चे होते हैं। वहां संसाधनों का खजाना है जो छात्रों को तैयारी करने में मदद कर सकता है चाहे वह मानसिक स्वास्थ्य का मामला हो...।'पिछले कुछ महीनों में छात्रों की मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत ने जोर दिया कि ''अमेरिका एक सुरक्षित देश है।'गार्सेटी ने रेखांकित किया कि विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को लोगों से जुड़ना चाहिए, वहां उनके भरोसेमंद दोस्त होने चाहिए और अगर कोई खतरनाक स्थिति हो तो उससे अवगत होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को यह भी पता होना चाहिए कि कोई मानसिक स्वास्थ्य समस्या हो तो क्या करना चाहिए।अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अमेरिका में अध्ययन करने जा रहे छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा, स्थानीय कानून से भी वाकिफ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ''ये सभी चीजें कभी-कभी छात्रों को नहीं पता होती हैं, क्योंकि उनके लिए नया देश होता है।'लॉस एंजिलिस के महापौर रह चुके गार्सेटी ने अध्ययन के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा के अपने अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''जब मैं छात्र था, मैं 1980 के दशक में न्यूयॉर्क गया था, जो उस समय काफी खतरनाक शहर था। मैंने परिसर में सुरक्षा की बात सुनी थी कि 'रात में यहां मत जाओ, वहां मत जाओ। यह सब मोबाइल फोन आने के पहले की बात है। अब, 2024 में हमारे पास उस समय की तुलना में बहुत अधिक संसाधन हैं।'भारतीय छात्रों के एक समूह के लिए अमेरिका जाने से पहले यहां 'अमेरिकन सेंटर' में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अमेरिकी विश्वविद्यालय छात्रों को जबरदस्त अनुभव प्रदान करने के लिए 'विशिष्ट स्थान'

गार्सेटी ने छात्रों के साथ संक्षिप्त बातचीत की और उनसे अमेरिका में अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग करने और संसाधनों का अच्छा उपयोग करने के लिए कहा। राजदूत ने कहा कि अमेरिकी विश्वविद्यालय भारतीय छात्रों सहित छात्रों को जबरदस्त अनुभव प्रदान करने के लिए ''विशिष्ट स्थान'' हैं और वह चाहते हैं कि सभी छात्रों को वह समृद्ध अनुभव मिले। हालिया घटनाओं के मद्देनजर गार्सेटी ने कहा, ''...चाहे वह अमेरिका में हो, या भारत में हो, छात्रों के साथ घटनाएं होती हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि किसी भी घटना से कोई जुड़ाव नहीं मिला है। भारतीय छात्रों को निशाना बनाए जाने का कोई सबूत नहीं है।'गार्सेटी ने कहा, ''अमेरिका एक सुरक्षित देश है। छात्रों को सुरक्षित महसूस करने में मदद करने के लिए बहुत सारे संसाधन हैं। लेकिन अगर वे संपर्क नहीं करते हैं, तो हमें घटनाओं के बारे में पता नहीं चलेगा और तब तक देर हो जाती है।'अप्रैल में, 25 वर्षीय एक भारतीय छात्र अमेरिकी शहर क्लीवलैंड में मृत पाया गया था। उमा सत्य साईं की इस महीने ओहियो में मृत्यु हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। छात्र पिछले महीने से लापता था।

मजहबी आधार पर विभाजन की आधारशिला रखना चाहती है कांग्रेस

⇨ सीएम योगी ने जनता को कांग्रेस के घोषणा पत्र के प्रति आगाह किया

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल मजहबी आधार पर देश के विभाजन की आधारशिला रखना चाहते हैं। अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी ने जनता को कांग्रेस के घोषणा पत्र के प्रति आगाह किया और उसे भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए घातक बताया।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कांग्रेस और सहयोगी दल देश की राजनीति का तालिबानीकरण करने पर उतारू हो चुके हैं। माओवादी दुष्प्रवृत्ति को फिर से लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। पर्सनल लॉ के जरिए तीन तलाक जैसी कुप्रथा को पुनर्स्थापित करके महिलाओं का अपमान करने का प्रयास किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि इसीलिए इन मुद्दों को आज के परिप्रेक्ष्य में भाजपा पुरजोर तरीके से उठाकर इसका विरोध कर रही है। यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार योगी ने कहा कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में देश के तालिबानीकरण से लेकर जनता की संपत्ति और पर्सनल लॉ जैसे मुद्दों को समर्थन देकर मजहबी आधार पर देश के विभाजन की आधारशिला रखना चाहती है। चुनाव में अप्रासंगिक मुद्दे उठने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा शुरू से ही विकास, सुरक्षा और सुशासन के मुद्दे के साथ चुनाव में उतरी थी। उन्होंने कहा कि पहले चरण का मतदान इन्हीं मुद्दों पर हुआ, मगर विपक्षी गठबंधन के सबसे महत्वपूर्ण घटक कांग्रेस के घोषणापत्र ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने कहा भाजपा हर हाल में इसका पुरजोर विरोध करेगी।

ईवीएम पर न्यायालय के फैसले ने विपक्षी गठबंधन के घटकों को बेनकाब किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के इस्तेमाल को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया और कहा कि इसने निर्वाचन आयोग को बदनाम करने के लिए प्रयासरत कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को बेनकाब कर दिया है। न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से डाले गये वोट का 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपीएटी) के साथ मिलान कराने का अनुरोध करने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और कहा कि तंत्र के किसी भी पहलू पर ''आंख मूंद कर अविश्वास करना'' बिना वजह संदेह पैदा कर सकता है। मेघवाल ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ईवीएम प्रणाली बिल्कुल ठीक है, विश्वसनीय है और इसके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। अदालत का फैसला शानदार है। हम भाजपा की तरफ से इस फैसले का स्वागत करते हैं।' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस फैसले ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के अन्य घटकों को बेनकाब कर दिया है। मेघवाल ने कहा कि उन्होंने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर चुनाव आयोग को 'बदनाम' करने का कोई मौका नहीं छोड़ा।

राष्ट्रपति ने डॉ. सीताराम जिंदल को प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया

⇨ प्रधानमंत्री की उपस्थिति में यह समारोह समाज में डॉ. जिंदल के असाधारण योगदान को मान्यता देने वाला महत्वपूर्ण अवसर बना

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। परोपकार और स्वास्थ्य सेवा के दूरदर्शी अग्रदूत डॉ. सीताराम जिंदल को सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति ने प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री और विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह समारोह समाज में डॉ. जिंदल के असाधारण योगदान को मान्यता देने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया।

12 सितंबर 1932 को हरियाणा के शांत गांव नलवा में जन्मे डॉ. सीताराम जिंदल की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है। जिंदल एल्युमीनियम लिमिटेड (जेएएल) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनकी उद्यमशीलता कौशल ने भारत की सबसे बड़े एल्युमीनियम एक्सट्रूजन निर्माता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिंदल कारोबार से परे तक सोचते हैं। उनका योगदान एस जिंदल चैरिटेबल फाउंडेशन, कई ट्रस्टों, अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना तक फैला हुआ है, जो मानव मात्र की सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण की बानगी है। डॉ. जिंदल की शैक्षणिक गतिविधियां उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय ले गईं, जहां उन्होंने 1957 में स्नातक की डिग्री हासिल की, उसके बाद प्राकृतिक चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनके कॉलेज के दिनों के दौरान उन्होंने उपवास, एनीमा और योग के माध्यम से पेट की तपेदिक की लाइलाज स्थिति पर काबू पाया। इस बदलावकारी अनुभव ने दवा रहित उपचार के लिए उनके जुनून को प्रज्वलित किया। इस जुनून की परिणति 1979 में बेंगलूरु में जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट (जेएनआई) की स्थापना के रूप में हुई, जिसने तीव्र और पुरानी बीमारियों के इलाज में अपने मानवीय दृष्टिकोण के लिए वैश्विक सराहना हासिल की है। उस समय प्रचलित पारंपरिक प्राकृतिक उपचारों के विपरीत डॉ. जिंदल ने इस उपेक्षित विज्ञान को आधुनिक बनाने और नया करने के मिशन पर काम शुरू किया।

नर्स और चिकित्सकों के साथ मतदान करने पहुंचे 41 मरीज

बेंगलुरु। मणिपाल हॉस्पिटल ग्रुप ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) की मदद से 41 मरीजों को शुक्रवार को लोकसभा चुनाव में मतदान करने में सहायता की। अस्पताल के मुताबिक, अस्पताल प्रशासन ने मरीजों को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने में मदद के लिए अपनी एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करायी। लोकसभा क्षेत्रों में सुगम आवाजाही और मतदान के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। मणिपाल अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी कार्तिक राजगोपाल ने बताया कि मरीजों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच और उनके चिकित्सकों से मंजूरी प्राप्त करने के बाद उन्हें अस्पताल के वाहनों में मतदान केंद्रों तक ले जाया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, चिकित्सकीय रूप से फिट सभी 41 मरीजों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में ले जाया गया।

न्यूज डायरी

गुडनाइट के अध्ययन के अनुसार, मच्छरों से नींद में खलल की वजह से उत्पादकता पर असर

चंडीगढ़, (जगमार्ग न्यूज)। देश की आधे से अधिक (58 प्रतिशत) उत्पादकता पर बुरा असर पढ़ रहा है, क्योंकि मच्छरों के कारण नींद में खलल पढ़ने के कारण लोग तनावग्रस्त/थका हुआ महसूस करते हैं। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के भारत के अग्रणी घरेलू कीटनाशक ब्रांड गुडनाइट द्वारा जारी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट से महत्वपूर्ण रहस्य सामने आया है। आगामी विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) को देखते हुए यह सर्वे और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। 'वन मस्कीटो, काउंटलेस थ्रेट्स' टाइटल के साथ यह देशव्यापी सर्वे गुडनाइट द्वारा शुरू किया गया था, और बाजार अनुसंधान फर्म यू गव द्वारा आयोजित किया गया था। यह सर्वे जनता के रुख की जांच करता है, और मच्छर जनित बीमारियों के खतरों का आकलन करता है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में भारत के चार क्षेत्रों – उत्तर (मध्य क्षेत्र के राज्यों सहित), दक्षिण, पश्चिम और पूर्व के उत्तरदाताओं को शामिल किया गया। गुडनाइट रिपोर्ट के अनुसार 62 प्रतिशत पुरुषों और 53 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि मच्छरों के कारण नींद में खलल की वजह से उनकी उत्पादकता प्रभावित हो रही है। यह विशेष रूप से भारत के हालिया आर्थिक उछाल के संदर्भ में चिंताजनक है, जहां एक स्वस्थ कार्यबल को सर्वोपरि माना जाता है। उद्योग रिपोर्टों के अनुसार, अकेले मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों से भारत का आर्थिक बोझ लगभग 16000 करो? रुपए है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, लगभग 75 प्रतिशत आर्थिक बोझ भारतीयों की कमाई के नुकसान और शेष उपचार खर्चों के कारण पड़ता है।भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार, पश्चिम क्षेत्र में सबसे अधिक प्रभावित हुआ। इस क्षेत्र के 67 प्रतिशत लोगों को लगता है कि मच्छरों के कारण नींद में खलल के कारण उनकी उत्पादकता प्रभावित हो रही है। दक्षिणी भारत 57 फीसदी लोगों के साथ दूसरे स्थान पर है, इसके बाद उत्तरी भारत में चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के 56 फीसदी लोग शामिल हैं, और पूर्वी क्षेत्र के 49 फीसदी लोग प्रभावित हैं। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर – इंडिया, अश्विन मूर्ति कहते हैं, 'गुडनाइट की 'वन मस्कीटो, काउंटलेस थ्रेट्स' टाइटल वाली राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण रिपोर्ट दरअसल जनता के रवैये पर प्रकाश डालती है और मच्छर जनित बीमारियों से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन करती है। ऐसी पहलों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य भारत में मच्छरों की समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाना, परिवारों को कार्रवाई करने में सक्षम बनाना और देश को किफायती लेकिन नवीन समाधान प्रदान करना है।

भारत वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा: उपराष्ट्रपति धनखड़

तिरूपति (आंध्र प्रदेश)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है और इसे रोका नहीं जा सकता। उपराष्ट्रपति ने यहां राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में ये टिप्पणियां कीं।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आप अब एक वृहद विश्व में एक ऊंची छलांग लगा रहे हैं। आप भाग्यशाली हैं कि आप यह ऐसे समय में कर रहे हैं जब भारत आगे बढ़ रहा है। इसके उभरने को रोका नहीं जा सकता। आप वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहे हैं।'उन्होंने दावा किया कि ऐसी भाषा जो हर तरह की प्रौद्योगिकी विज्ञान में बिना त्रुटि के उपयुक्त हो सकती है वह संस्कृत है। धनखड़ ने दावा किया, ''यह एकमात्र भाषा है जिसके शब्द द्विअर्थी नहीं है।'उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत को कई भारतीय भाषाओं की जननी माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के भाषाई विकास में इसका एक अद्वितीय स्थान है और इसने भारतीय भाषाओं की विविधता में योगदान दिया है। उन्होंने रेखांकित किया कि संस्कृत के व्याकरण, वाक्य विन्यास और शब्दों ने हिंदी तथा दक्षिण एशिया में बोली जाने वाली कई अन्य भाषाओं को समृद्ध किया है।

'नोटा' के जीतने पर नए सिरे से चुनाव कराने की याचिका पर न्यायालय ने आयोग से जवाब मांगा

नई दिल्ली। आम चुनाव के बीच उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका पर निर्वाचन आयोग से जवाब देने को कहा जिसमें 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के विकल्प को अन्य उम्मीदवारों से अधिक वोट मिलने पर चुनाव रद्द करने और नए सिरे से मतदान कराने के लिए नियम बनाने का अनुरोध किया गया है।शीर्ष अदालत ने लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता शिव खेड़ा की एक जनहित याचिका पर निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत के 2013 के एक फैसले के अनुरूप मतदाताओं को चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को नहीं चुनने का अपना रुख जताने के लिए 'नोटा' का विकल्प दिया जाता है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने खेड़ा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर संज्ञान लिया और नोटिस जारी किया। शुरुआत में पीठ ने जनहित याचिका पर विचार करने से यह कहते हुए अनिच्छा जताई कि इस बारे में निर्णय कार्यपालिका को करना है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''हम नोटिस जारी करेंगे। यह चुनाव प्रक्रिया के बारे में भी है। देखते हैं कि निर्वाचन आयोग को क्या कहना है।'वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि गुजरात के सूरत में हुए घटनाक्रम को देखते हुए यह याचिका महत्वपूर्ण है जहां मतदान से पहले ही भाजपा के उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया गया क्योंकि कुछ नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए और कुछ ने नाम वापस ले लिया।

आतिशबाजी से लगी आग की चपेट में आकर एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के बहेड़ा थाना अंतर्गत अंटोर गांव में बृहस्पतिवार-शुक्रवार की दरमियानी रात विवाह समारोह के दौरान आतिशबाजी से लगी आग में एक परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कुमार ने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजन को दुख की इस घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की है। मृतकों की पहचान सुनील पासवान (26), लीला देवी (23), कंचन देवी (26), सिद्धांत कुमार (4), शशांक कुमार (3) और साक्षी कुमारी (5) के रूप में हुई है। घटना में तीन गायों की भी मौत हो गयी। दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रोशन ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए कहा, ''कल रात बहेड़ा थाना अंतर्गत अलीनगर इलाके में हुई आग की घटना में तीन बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया गया है।

भारत ने कहा, उम्मीद है कि अन्य देशों को प्रेरणा मिलेगी

संयुक्त राष्ट्र। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत 'डिजिटल सार्वजनिक अवसरंचना' (डीपीआई) के जरिये लोगों को सशक्त बनाने की अपनी यात्रा इस उम्मीद से साझा कर रहा है कि वह अन्य देशों को प्रेरणा देगा, सभी से सीखेगा और अपने खुद की डिजिटल प्राथमिकताओं को निर्धारित करेगा। उन्होंने यहां 'सिटीजन स्टैक' पर पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए समावेशी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने की खातिर डीपीआई की शक्ति का उपयोग करने में भारत की यात्रा को साझा किया। वैष्णव रेल एवं संचार मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने यह सुनिश्चित करना एक नीतिगत उद्देश्य बना लिया है कि डिजिटल क्रांति का लाभ देश के विविध समाज के हर कोने तक पहुंचे।

दक्षिण भारत में जल संकट, जलाशयों का स्तर घटकर 17 प्रतिशत रह गया

⇨ केंद्रीय जल आयोग के बुलेटिन से जानकारी मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। गर्मियां शुरू होने के साथ ही दक्षिण भारत जल संकट का सामना कर रहा है और क्षेत्र में जल भंडारण जलाशयों की क्षमता का केवल 17 प्रतिशत रह गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के एक बुलेटिन से यह जानकारी मिली। दक्षिणी क्षेत्र में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्य आते हैं।

सीडब्ल्यूसी द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों के जलाशयों के भंडारण स्तर के संबंध में बृहस्पतिवार को जारी बुलेटिन में बताया गया कि दक्षिणी क्षेत्र में आयोग की निगरानी के तहत 42 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 53.334 बीसीएम (अरब घन मीटर) है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन जलाशयों में मौजूदा कुल भंडारण 8.865 बीसीएम है, जो उनकी कुल क्षमता का केवल 17 प्रतिशत ही है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान भंडारण स्तर (29 प्रतिशत) और इसी अवधि के दस साल के औसत (23 प्रतिशत) की तुलना में काफी कम है। दक्षिणी क्षेत्र के जलाशयों में भंडारण का कम स्तर इन राज्यों में पानी की बढ़ती कमी और सिंचाई, पेयजल और पनबिजली के लिए संभावित चुनौतियों का संकेत है। इसके विपरीत पूर्वी क्षेत्र, जिसमें असम, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य आते हैं, में पिछले साल और दस साल के औसत की तुलना में जल भंडारण स्तर में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। आयोग ने कहा कि इस क्षेत्र में, 20.430 बीसीएम की कुल भंडारण क्षमता वाले 23 निगरानी जलाशयों में अभी 7.889 बीसीएम पानी है।

ब्लिंकन ने चिनफिंग से मुलाकात की, मतभेदों को जिम्मेदारी से सुलझाने पर दिया गया जोर

हाल के महीनों में संवाद की प्रक्रिया भी तेज हुई

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिका के विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य वरिष्ठ चीनी अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और चीन के बीच पैदा हुए मतभेदों को ''जिम्मेदारी से सुलझाने पर जोर दिया। दोनों नेताओं की यह मुलाकात अमेरिका और चीन के बीच विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विवादों को दूर करने की कोशिश के तहत हुई है।

दोनों पक्षों के बीच मतभेद बढ़ने के बावजूद हाल के महीनों में संवाद की प्रक्रिया भी तेज हुई है। ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने चिनफिंग के समक्ष चीन द्वारा रूस के यूक्रेन पर हमले को समर्थन देने के साथ-साथ ताइवान और दक्षिण चीन सागर, मानवाधिकार और 'सिंथेटिक ओपिओइड प्रीकर्सर' का उत्पादन और निर्यात सहित विभिन्न चिंताओं को उठाया। ब्लिंकन ने सैन्य संवाद, मादक पदार्थ रोधी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच हुई प्रगति पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''हम अपने एजेंडा पर आगे बढ़ने के लिए संवाद को कायम रखने और इसे मजबूत करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हम अपने मतभेदों

को जिम्मेदारी के साथ सुलझाएंगे ताकि किसी गलतफहमी, किसी गलत धारणा और गलत आकलन से बचा जा सके।'ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने चिनफिंग से चीन द्वारा रूस को की जा रही आपूर्ति को लेकर अपनी चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि चीन मशीन और माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक की आपूर्ति कर रहा है जिसका इस्तेमाल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की रक्षा पंक्ति को मजबूत करने में कर रहे हैं। चिनफिंग से मुलाकात के बाद ब्लिंकन ने संवाददाताओं से कहा कि अगर चीन मदद न करे तो रूस यूक्रेन में लड़ाई जारी रखने में मुश्किल का सामना करेगा।'

पांच सत्रों से जारी तेजी थमी सेंसेक्स 609 अंक फिसला

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी तेजी थम गयी और बीएसई सेंसेक्स 609 अंक फिसल गया। वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुझानों के बीच बैंक, वित्तीय और टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा।

कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी से भी निवेशक धारणा पर असर पड़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 609.28 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,730.16 अंक पर खिसक आया। कारोबार के दौरान एक समय यह 722.79 अंक टूटकर 73,616.65 पर भी आ गया

था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 150.40 अंक यानी 0.67 प्रतिशत गिरकर 22,419.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजारों में पिछले पांच सत्रों से जारी तेजी थम गई। बीते पांच दिनों में मानक सूचकांकों में करीब 2.5 प्रतिशत की तेजी आई थी। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में 641.83 अंक यानी 0.87 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

आयोजन केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनसभा को किया संबोधित

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए काम कर रहे मोदी

एजेंसी

राजकोट। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और देश के लोग भाग्यशाली हैं कि उन्हें ऐसा मेहनती तथा दूरदर्शी नेतृत्व मिला है।

वैष्णव ने गुजरात के राजकोट शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कांग्रेस पर 1950 से 1990 के बीच का समय तथा 2004 से 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के शासनकाल के दस वर्षों समेत पांच दशक बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 1947 में जब देश को आजादी मिली तो वह उत्साह से लबालब था। वैष्णव ने राजकोट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम

में कहा, ' लेकिन, दुर्भाग्य से 1947 के बाद पहले चार दशकों में जो सरकारें आईं, उन्होंने भारत की मूल शक्तियों और उद्यमशीलता की भावना को खत्म कर दिया। वर्ष 1950 से 1990 के बीच के हमारे चार दशक बर्बाद हुए ।' उन्होंने कहा, '' आज के युवा उद्यमियों को इस बात पर विश्वास नहीं होगा कि उन दिनों अगर आप अपनी कार के स्टीयरिंग का डिजाइन बदलना चाहते थे या अपनी फैक्टरी में उत्पादन बढ़ाना चाहते थे तो आपको दिल्ली में एक कांग्रेस नेता से संपर्क करना पड़ता था। ऐसी ही बदतर स्थिति उस समय कांग्रेस शासन में थी। वैष्णव ने कहा कि हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने स्थिति में सुधार के लिए कदम उठाए, लेकिन 2004 और 2014 के बीच कांग्रेस शासन में सब कुछ शून्य हो गया। उन्होंने कहा, आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और निकट भविष्य में दुनिया में चौथा स्थान हासिल कर सकता है। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, '' वर्ष 2004 में हमारा स्थान दुनिया में 11वां था। वर्ष 2004 से 2014 के बीच सभी को उम्मीद थी कि हम कुछ स्थान ऊपर जायेंगे। लेकिन, जब 2014 में मोदी जी ने सत्ता संभाली, तो हम 11वें स्थान पर ही थे। वर्ष 2004 से 2014 के दशक में इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ।

पांच साल की मध्यम अवधि की योजना भी तैयार

वैष्णव ने कहा कि विकसित भारत की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 20 लाख से ज्यादा लोगों से सुझाव लिए और कई चर्चाओं में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, ''पांच साल की मध्यम अवधि की योजना भी तैयार है। ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व के बिना कोई देश प्रगति नहीं कर सकता। हम भाग्यशाली हैं कि हमारा नेतृत्व इतनी मेहनत कर रहा है। प्रधानमंत्री भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।' वैष्णव ने कहा कि जब मोदी ने 2014 में देश की कमान संभाली थी तब प्रतिदिन लगभग चार किलोमीटर रेल की नयी पटरियां बिछाई जाती थीं। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय आज प